



जीजा से साली पहली बार ट्रेन में चुद गयी

“एक बार मैं, मेरी बहन और मेरे जीजाजी ट्रेन में गोवा जा रहे थे. ट्रेन में हालात कुछ ऐसे बने कि मैं अपने जीजा से चुद गयी. कैसे चुदी, कैसे मेरे जीजा ने मेरी चूत की सील तोड़ी, पढ़ें ओर मजा लें!...”

Story By: (paritijain)

Posted: Wednesday, February 13th, 2019

Categories: [जीजा साली की चुदाई](#)

Online version: [जीजा से साली पहली बार ट्रेन में चुद गयी](#)

जीजा से साली पहली बार ट्रेन में चुद गयी

नमस्कार प्रिय पाठको, आप सब कैसे हैं. मैं आशा करती हूं कि आप सभी अच्छी तरह से होंगे.. सब कुशल मंगल होगा. मैं आशा करती हूं कि मेरी कहानी आपको पसंद आएगी.

मेरा नाम प्रीति जैन है और मैं चेन्नई की रहने वाली हूं. मेरी उम्र 22 साल है और अभी मेरा पोस्ट में ग्रेजुएशन पूरा हुआ है. मैं दिखने में बहुत गोरी हूं. मेरी हाइट 5 फुट 5 इंच की है. मेरा फिगर बहुत ही सेक्सी और हॉट है. मेरे मम्मे मीडियम साइज़ के हैं, मेरी चूत अभी खुली नहीं है. मेरी एक बड़ी बहन है, जिसकी शादी अभी हुई है.

एक बार मैं, मेरी बहन और मेरे जीजाजी तीनों गोवा घूमने जा रहे थे. वहां तक हमने ट्रेन में सफर किया. जब हम वहां से आ रहे थे. ये बात तब की है.

मैं और मेरे जीजाजी दोनों नीचे वाली सीट पर बैठे थे और मेरी बड़ी बहन ऊपर वाली सीट पर बैठी थी. वहां थोड़ी ठंड पड़ रही थी. मुझे नींद आने लगी थी, तो मैं ऊंघने लगी. मेरे जीजाजी के पास एक कम्बल था. ऊंघती देखकर जीजाजी ने मुझसे कहा- तुम मेरा कम्बल ओढ़ लो और आराम से सो जाओ.

मैं उनकी जांघ पर सर रख कर सो गयी. कुछ देर बाद मुझे कुछ गड़ता सा महसूस हुआ. मुझे पता चल गया था कि उनका लंड खड़ा हो गया था. लेकिन मैं भी कम नहीं थी, मैंने उनके लंड पर हाथ रख दिया. इससे जीजाजी को पता चल गया कि मैंने उनके लंड पर हाथ रखा हुआ है. इससे उनका लंड और ज्यादा उत्तेजित होने लगा.

यह देख कर जीजा जी ने अपनी टांगें खोल कर अपने लंड को थोड़ा और खोल दिया. मैं अब धीरे धीरे उनके लंड के सहलाने लगी. तभी जीजा जी ने मेरे हाथ पर हाथ रख दिया.

मेरे लिए मेरी प्यास बुझाने के लिए ये बहुत ही खास मौका था. इसलिए मैंने जीजा जी से कुछ नहीं कहा और मैं उनके लंड को सहलाती रही. फिर जीजा जी ने अपने बड़े लम्बे लंड को अपनी पेन्ट में से बाहर निकाल दिया. मैंने धीरे से उनके लंड को हाथ में ले लिया और उसे हिलाने लगी. अब तक रात काफी हो चुकी थी.. ठंड भी लग रही थी.

उन्होंने मेरे गाल पर हाथ फेरा, तो मैं उनका इशारा समझ गई. मैंने उनके लंड को मुँह में भर लिया और जोर जोर से चूसने लगी. जीजाजी का लंड मेरे मुँह में और भी ज्यादा फूलने लगा. वे भी अपने आप पर काबू ही नहीं कर पा रहे थे. जीजा जी के मुँह से दबी आवाज में मादक सिसकारियां निकल रही थीं.

फिर जीजाजी ने मेरी पेन्ट में हाथ डाल कर मेरी चूत को टटोला. मैंने भी अपनी चूत को खोल सा दिया, ताकि मुझे भी जीजा जी की उंगली का मजा अपनी चूत में मिल सके. जीजा जी ने धीरे धीरे करके मेरी चूत तक अपना हाथ रख दिया और वे चूत के ऊपर अपना हाथ फेरने लगे. इससे मेरी सिसकारियां भी निकलने लगीं 'उम्ह... अहह... हय... याह...'

मुझे रहा नहीं जा रहा था. मेरे मुँह में जीजा जी का लंड था और चूत पर उनका हाथ घूम रहा था. मेरी दबे स्वर में मादक आवाजें निकलने लगीं- आहा.. उहं.. आह.. ओह.. ऊमंह..

इसके बाद हम दोनों ने सोचा कि यहां पर सब देख लेंगे, इससे ज्यादा इधर कुछ करना ठीक नहीं होगा. यही सोच कर हम दोनों और कुछ देर तक लेट कर रोमांस करते रहे. इसी बीच कम्बल के सहारे से कुछ ऐसी स्थिति बन गई कि जीजाजी मेरी चूत को चाटते रहे और मैं उनके लंड को चूसती रही. इस वक्त जीजाजी बहुत खुश लग रहे थे और उनको बहुत मजे आ रहे थे.

लेकिन तभी मेरी बहन जाग गयी थी और उसने हम दोनों को ये सब करते देख लिया.

कम्बल के अन्दर की हरकत को भांपते हुए उनको देर न लगी.

फिर जब हमें पता चला कि बहन ने ये करते देख लिया, तो हम दोनों ने कपड़े सही कर लिए और हम कुछ देर के लिए सोने की एक्टिंग करने लगे. बहन ने भी कुछ नहीं कहा, वो फिर से सो गई.

फिर कुछ देर बाद बहन ने मुझे ऊपर बुलाया और बोलने लगी- तुम अपने जीजाजी के साथ क्या कर रही थी ?

मैंने बहन को सब कुछ बता दिया.

बहन ने मुझे कहा कि तूने कभी भी सेक्स किया है ?

मैंने कहा- नहीं.

तो उन्होंने मुझसे कहा- चल जा और सो जा.

मैंने पूछा- मैं जीजा जी के पास ही सो जाऊं ?

दीदी ने हां कह दी, तो मैं अपने जीजाजी के साथ जाकर सो गई.

इस प्रकार दीदी की तरफ से एक तरह से मुझे हरी झंडी मिल गई थी. अब हम दोनों को किसी का डर नहीं था. दीदी के खराटे लेने ई आवाज आने लगी थी, तो हम दोनों ने तय किया कि ट्रेन के टॉयलेट में चल कर चुदाई की जाए.

कुछ देर बाद हम दोनों ट्रेन के टॉयलेट में चले गए. टॉयलेट में जाते ही हम दोनों ने देर न करते हुए अपने अपने कपड़े उतार दिए. जीजाजी ने मेरे बड़े बड़े मम्मे देखे तो वे गनगना गए. मैंने देखा कि उनका लंड लोहे जैसा ठोस होता जा रहा था.

फिर वे मेरे बोंबों को जोर जोर से चूसने लगे. मेरे होंठों को चूसने लगे. मैं भी जीजा जी अपने बूब्स अपने हाथ से पकड़ कर चुसाने लगी. मेरी चूत में चुदास की चींटियां रेंगने

लगी थीं.

कुछ देर बाद जीजाजी ने मुझे वाशबेसिन पर झुकाया और पीछे से मेरी चूत पर अपना लंड रख कर रगड़ने लगे. उन्होंने मेरी एक टांग उठाकर अपने हाथ से साधी और अपने लंड को धीरे से मेरी चूत में पेल दिया. मेरी चूत इस वक्त बहुत चिकनी हुई पड़ी थी, जिससे जीजा जी का लंड मेरी चूत में एक इंच घुस गया. उनका लंड अन्दर लेते ही मुझे बहुत तेज दर्द हुआ, लेकिन मज़ा आ रहा था, सो मैं ट्रेन की छुकपुक के शोर में मस्त तेज सिसकारियां निकालने लगी 'आहा.. उहं.. आह.. ओह.. ऊमंह..'

जीजाजी ने अपना लंड और अन्दर पेला तो मुझे दर्द होने लगा. पर तभी ट्रेन ने एक हिचकोला सा लिया, तो उनका पूरा लंड मेरी चूत में घुस गया. मुझे बड़ी तेज दर्द हुआ. लेकिन ठीक उसी वक्त पीछे से जीजा जी ने मेरे मुँह पर अपनी हथेली जमा दी. मेरी चीख घुट कर रह गई. जीजा जी ने समझ लिया था कि मैं सील पैक माल हूँ, इसलिए वे कुछ देर के लिए रुक गए. उनका लंड मेरी चूत में खलबली मचा रहा था.

तभी ट्रेन के हिचकोलों ने मेरी चूत को सहारा दिया और लंड ने अन्दर अपनी जगह बना ली. अब मैंने गांड हिलाई तो जीजा जी ने मुझे चोदना शुरू कर दिया.

जीजा जी मुझे चोदने के साथ में गालियां निकालने लगे- आह तेरी चूत का माँ का भोसड़ा.. साली तेरी माँ की चूत ले मादरचोदी लंड खा.

जीजाजी मुझे गालियाँ देते हुए जोर जोर से चोदने लगे.

मैं भी कम नहीं थी, मैंने भी उनको गालियां देना शुरू कर दीं- चोद भैन के लंड साले हरामी मार ले मेरी...

तभी मेरी बहन टॉयलेट के बाहर आ गयी और उसने दरवाजे में धक्का दिया, तो भूल से गेट खुला रह जाने दरवाजा खुल गया. वो हम दोनों को चुदाई में लगा देखने लगी.

मुझे जीजाजी गाली देते हुए चोद रहे थे और मैं उनको गाली दे रही थी. हम दोनों का मुँह दरवाजे की तरफ नहीं थे, उस तरफ जीजा जी की पीठ थी.

मेरी बहन ने जीजा जी को धकेलते हुए कहा- ये तुम दोनों क्या कर रहे हो ?

मैं तो कुछ बोल ही नहीं पाई.. बस जीजा का लंड निकाल कर सीधी हो गई. मैं नंगी चुद रही थी और जीजा जी भी नंगे ही थे.

तभी मेरी बहन हंसने लगी और बोली- लगे रहो यार.. मैं तो मज़ाक कर रही हूँ.

फिर बहन ने अन्दर आकर दरवाजे की कुण्डी लगायी और वो भी हमारे साथ शामिल हो गयी.

मेरी बहन ने अपने कपड़े भी उतार दिए. बहन के मम्मे काफी बड़े बड़े और गोरे थे. जीजाजी ने हम दोनों बहनों के मम्मे अपने हाथों से पकड़ कर मसले और वे बारी बारी से हम दोनों बहनों के मम्मों को जोर जोर से चूसने लगे.

फिर मेरी बहन को मेरे जीजाजी चोदने लगे और मैं मेरी बहन की चूत के ऊपर हाथ से जीजाजी का लंड हिलाने लगी. मेरी बहन के मुँह से जोर जोर से कामुक सिसकारियां निकलने लगीं- आहा.. उहं.. आह.. ओह.. ऊमंह.. और जोर से चोदो मेरी जान.. आह ट्रेन में चुदाई का मजा पहली बार मिल रहा है.. आहा.. ओह.. ऊमंह..

फिर जीजाजी ने दीदी की चूत से लंड खींचा और मुझे झुका कर चोदने लगे. अब मुझे बहुत ही मज़े आ रहे थे, किसी बात का डर ही नहीं रह गया था.

जीजाजी जोर जोर से मुझे चोदते रहे और मेरी सिसकियां निकलने लगीं- आहा.. उहं.. आह.. ओह.. ऊमंह..

इस तरह से जीजाजी मुझे और मेरी बहन को बारी बारी से 20 मिनट तक चोदते रहे. मैं और मेरी बहन इस श्रीसम चुदाई से बहुत खुश थे.

कुछ देर की चुदाई के बाद मुझे मेरी चूत में एकदम से अकड़न सी हुई और कुछ गीला गीला सा महसूस हुआ. ये मेरी पहली चुदाई थी, तो मुझे कुछ ज्यादा मालूम नहीं था. उसके कुछ पल बाद मैं भी झड़ गयी. जीजा जी ने भी लंड बाहर निकाल कर मेरे मम्मों पर माल टपका दिया, जिसे दीदी ने मेरे मम्मों को चूसते हुए चाट लिया. मैंने भी इसके बाद दीदी के होंठों से होंठ लगा कर जीजा जी के रस का स्वाद लिया.

इसके बाद मैं घर पर आकर मेरे जीजाजी से 3 बार चुदी. जिसमें मेरी दीदी भी मेरे साथ चुदाई में शामिल थीं.

तो दोस्तो, ये थी मेरी सच्ची दास्तान, आशा करती हूं कि आपको मेरी ये चुदाई की कहानी पसंद आई होगी. मुझे मेरी ईमेल पर मैसेज करें.

paritijain00@gmail.com

धन्यवाद.

Other stories you may be interested in

चुत चुदवाते हुए साड़ी प्रेस करवा ली

हाय दोस्तो, मैं प्रतिभा, चुदाई की कहानियां आपको बहुत पसंद है, मैं इस बात को भली भांति जानती हूँ। इसलिये मैं अपनी एक और नई मस्तराम कहानी लेकर आपके सामने आई हूँ, शायद आपको पसंद आ जाए। हम दोनों पति [...]

[Full Story >>>](#)

गांडू की मम्मी की चूत भी चोदी

दोस्तो, मैं आपका दोस्त रसूल खान! मेरी ज़िंदगी में बहुत सी औरतें आई हैं, बहुत सी लड़कियां आई हैं। क्योंकि मैं सोचता हूँ कि मैं एक मगरमच्छ हूँ, जो भी इसके जबड़े में फंस गया, उसको ये खा जाता है। [...]

[Full Story >>>](#)

अतृप्त वासना का भंवर-2

आपने अब तक की कहानी में पढ़ा था सुखबीर की बीवी प्रीति मुझसे सेक्स को लेकर बातें कर रही थी। मैंने उससे पूछा- क्या पहले भी ऐसे ही संभोग करते थे? मैंने प्रीति की दुखती रग तो समझ ली थी, [...]

[Full Story >>>](#)

किस्मत से मिली कॉलेज गर्ल की चूत-2

जवान कॉलेज गर्ल की सेक्स कहानी के पहले भाग किस्मत से मिली कॉलेज गर्ल की चूत-1 में आपने पढ़ा कि कैसे मुझे एक जवान लड़की सिनेमा हॉल में मिली और अब वो मेरे होटेलरूम में मेरे साथ मेरे बेड पर [...]

[Full Story >>>](#)

सर बहुत गंदे हैं-2

मेरी कच्ची जवानी की कहानी के पहले भाग में आपने पढ़ा कि इंग्लिश के पेपर में नकल करते हुए पकड़े जाने पर मैं फंस गई। एग्जामिनर मेरा यू.एम.सी. बनाना चाहता था। अगर यू.एम.सी बन जाता तो मैं तीन साल तक [...]

[Full Story >>>](#)

